

#### RAM LAL ANAND COLLEGE

University of Delhi







# National Unity Day

Every year India celebrates the **birth of Sardar Vallabhbhai Patel** also known as the "Iron Man of India" on **31st October** as National **Unity Day**. He was the first Deputy Prime Minister and first Home Minister of India, who united the 565 princely states of India to create a United Nation.

To honor his contribution and to celebrate his **147th birth**anniversary, the NSS Unit of Ram Lal Anand College organized
two events to pay homage to him.

#### Pledge taking and Documentary screening

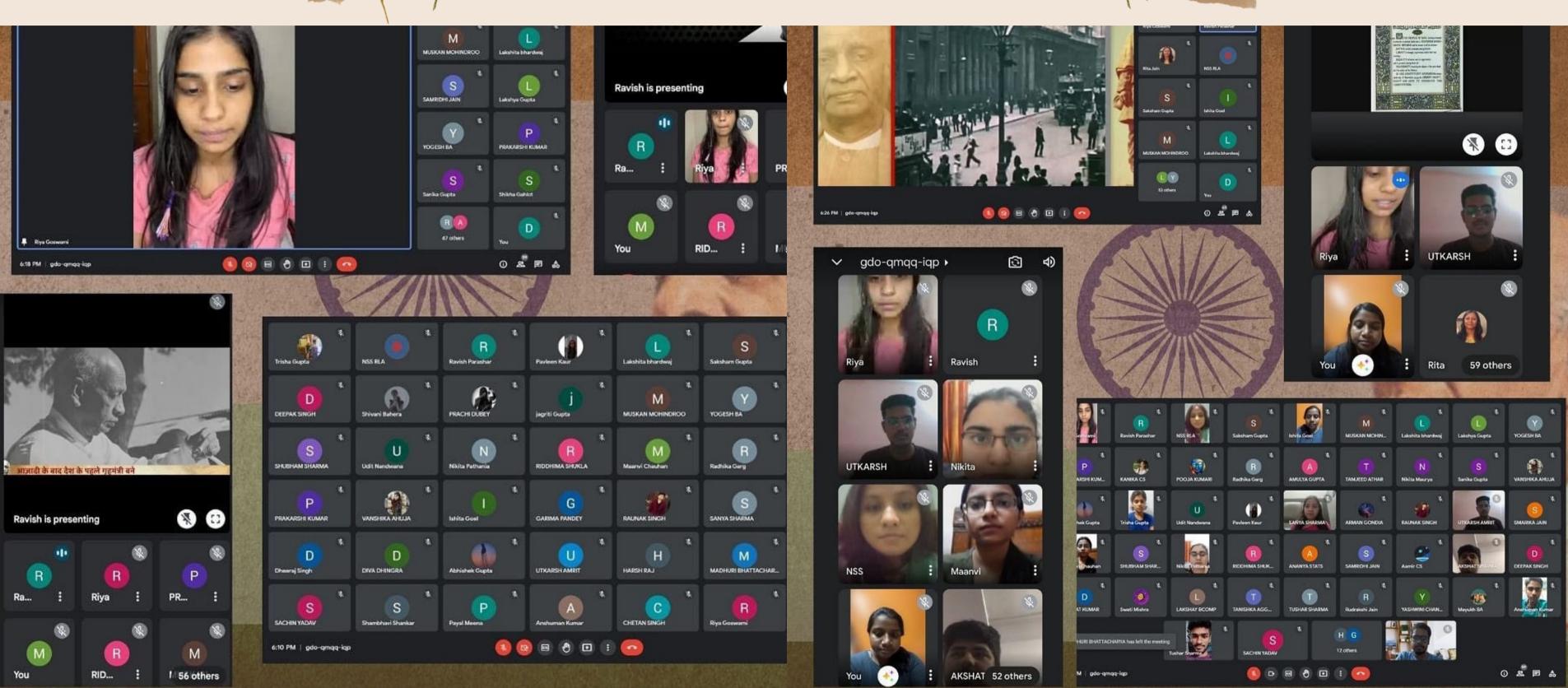
On 28th October 2022 the NSS volunteers along with the Programme officer Dr. Rita Jain Ma'am took a 'pledge that unites' through Google Meet from 6pm onwards where the Preamble of the Constitution of India was recited. A documentary was screened that contained the way of life and principles/ideas that Sardar Vallabhbhai Patel followed. More than 80 enthusiastic volunteers participated with more than 34 volunteers being girls.





## GLIMPSES





#### Essay Writing/Handmade Poster Making

On 31st October 2022, the second event of National Unity Day was observed where the volunteers with the theme of "Ek Bharat Shresth Bharat" participated in Online Essay Writing and Handmade Poster Making embodying the spirit of Unity. More than 65 volunteers participated consisting of 30 female volunteers. The events enabled the volunteers to embrace the rich heritage and cultural values the country beholds and strengthen the unity of the nation.







### GLIMPSES



#### एक भारत श्रेष्ठ भारत

राष्ट्रीय एकता दिवस, 31 अक्टूबर 2015 (सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मोत्सव) के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक योजना के बारे में बात की। इस योजना का नाम "एक भारत श्रेष्ठ भारत" हैं जो नेकट भविष्य में देश की संस्कृति और परम्परा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरु की जायेगी। प्रधानमंत्री ने ये भी घोषणा की कि भारत की सरकार देश के विभिन्न भागों में सांस्कृतिक सम्बंधों को बढ़ावा देने के लिये एक नयी पहल शुरु करेगा। ये विभिन्न राज्यों में रह रहे लोगों के बीच आपसी सम्बन्धों को बढ़ावा देने के लिये भी लोगों को लोगों से जोड़ेगा। इस पहल के अन्तर्गत पारम्परिक आधार पर हर साल देश के एक राज्य को दूसरे राज्य से जोड़ने की योजना निश्चित की गयी है। जिसमें एक राज्य दूसरे राज्य की समृद्ध विरासत को लोकप्रिय कर सकते हैं जैसे हरियाणा राज्य को तिमलनाडू राज्य के साथ जोड़ा जा सकता हैं और इसकी समृद्ध विरासत को विभिन्न कार्यक्रमों जैसे अपने राज्य में साहित्यिक आयोजन, बुक फेस्टिवल, कूड फेस्टिवल, सॉन्ग फेस्टिवल्स, हरियाणा के लोगों का तिमलनाडू के लिये पर्यटन आदि के प्रयोग से प्रदर्शित किया जा सकेगा। इस तरह, हर साल देश का एक राज्य दूसरे राज्य से जुड़ेगा और अपने राज्य की धरोहर को बढ़ावा देगा।

इस योजना के अनुसार, देश का सालाना एक राज्य दूसरे राज्य से जुड़ेगा और दोनों ही एक दूसरे राज्य की समृद्ध विरासत को विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के द्वारा जैसे: संगीत कार्यक्रम, फूड फेस्टिवल, साहित्यिक कार्यक्रम, बुक फेस्टिवल, दौरे और यात्रा आदि के द्वारा लोकप्रिय करना हैं। अगले साल, वो दोनों राज्य अन्य दो राज्यों से उन्हीं उद्देश्यों के साथ जुड़ेंगे। इस तरह पूरे देश में लोग विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और तौर-गरीकों के बारे में जानेंगे। ये लोगों के बीच आपसी समझ और संबंधों के साथ ही भारत में एकता और अखंडता को भी को बढ़ावा देगा।

नारत की सरकार ने इस योजना को लागू करने से पहले इस पर नागरिकों की राय लेने का निर्णय किया है। इस योजना पर लोगों के विचार और पुझावों को जानने के लिये "एक भारत और श्रेष्ठ भारत प्रतियोगता" को शुर कया गया है। नागरिक अपने विचारों और सुझावों (कार्यक्रम की रूप रेखा नैयार करके इसे विभिन्न आयामों पर और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिये) को सीधे सरकारी पोर्टल (MYGOV.in) पर प्रस्तुत कर सकते हैं। गागरिकों की मदद करने के लिये, भारत की सरकार ने कुछ विषय और उप-वेषय प्रस्तुत किये हैं जिससे कि वो अपने विचारों और सुझावों को विस्तार से सही दिशा में दे सकें। देश के नागरिक अपने मूल विचारों और आविष्कार को लिखकर प्रस्तुत करने से पहले इन विषयों और उप विषयों का अनुकरण कर सकते हैं:



इस कार्यक्रम को लागू करने में "केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों की भूमिका की पहचान करना।"

''जिन तरीकों से सरकार, समाज और निजी क्षेत्र एक साथ मिलकर कार्य कर सकते हैं उनकी पहचान करना।''

"सामाजिक मीडिया सहित आधुनिक संचार साधनों के उपयोग को निर्दिष्ट करना।"

"सफलता की कहानियों का प्रलेखन।"

'एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम' को ''सरकारी कार्यक्रम के स्थान पर आम जनता का आन्दोलन बनाना।''

प्रधानमंत्री के द्वारा ये कहा गया है कि वो मूल और नये विचार जिनकी विस्तार से व्याख्या की जायेगी ज्यादा पसंद किये जायेंगे और उन्हें ऊँचे स्कोर दिये जायेंगे। व्याख्या को पीडीएफ के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक प्रतिभागियों को भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करने के लिये प्रथम (1,00,000/-), द्वितीय (75000/-) और तीसरे (50,000/-) को नगद रूपये पुरस्कार (एक प्रमाण पत्र के साथ) के रूप में देने की भी घोषणा की गयी है। देश के नागरिक अपने विचारों और सुझावों को 10 दिसम्बर 2015 की अन्तिम तिथि से पहले जमा कर सकते हैं।

